एक रिवायत रही जुदाई

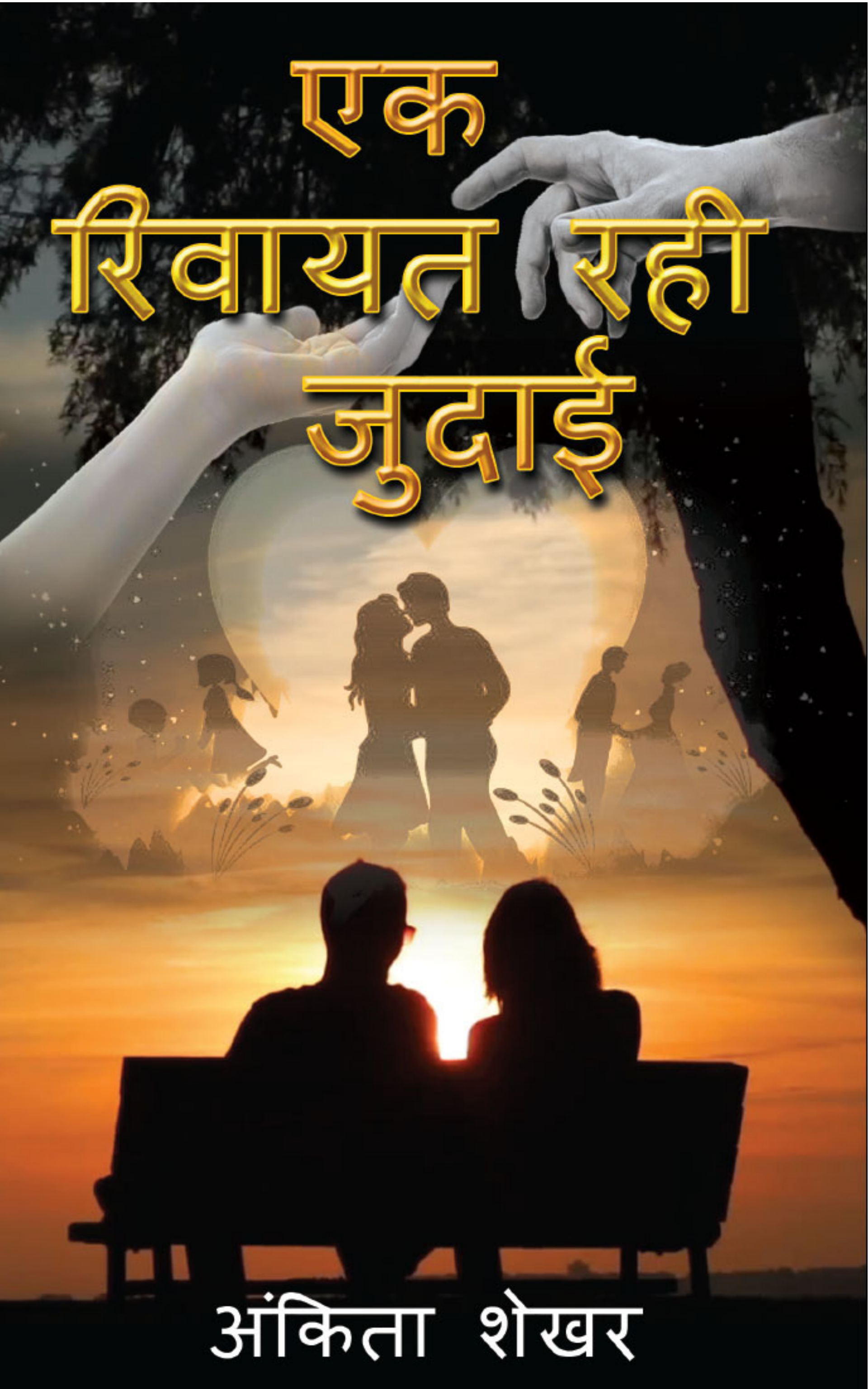

अंकिता शेखर

Copyright © 2019, Ankita Shekhar
All rights reserved.

No part of this publication may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or any information storage and retrieval system now known or to be invented, without permission in writing from the publisher, except by a reviewer who wishes to quote brief passages in connection with a review written for inclusion in a magazine, newspaper or broadcast.

Published in India by Prowess Publishing,
YRK Towers, Thadikara Swamy Koil St, Alandur, Chennai,
Tamil Nadu 600016

ISBN 13: xxx-x-xxxx-xxxx-x

Library of Congress Cataloging in Publication

1.

चल दिया था मैं इस यकीन से
वो रोक लेगा मुझे
उसने हाथ तो उठाया
पर अलविदा कहने के लिए

❋ ❋ ❋

2.

अब शिकायत भी क्या
तुझसे करता खुदा
उसको मनज़ूर था
मुझसे होना जुदा

❋ ❋ ❋

3.

ओढ़ कर मुस्कराहटें
बैठे हैं दर्द कई
पैमाने ग़मों के अब
केवल आँसू तो नहीं

✵ ✵ ✵

4.

एक दिन टूटे कोई तारा
मेरे लिए भी गगन से
और माँग लूँ मैं भी
जो है नामुमकिन सबकी नज़र से

✵ ✵ ✵

5.

मज़ाक तूने भी क्या
खूब किया मेरे खुदा
हाथों में उसका हाथ देके
लकीरों से ही कर दिया जुदा

* * *

6.

कर्ज़ मुहब्बत का मुझे
कुछ ऐसे चुकाना है
हर दिन याद करके
उसे हर दिन भुलाना है

* * *

7.

जवाब में शायद दर्द के
और कुछ न था
बेआवाज़ रह जाएं कुछ सवाल
बस इसलिऐ ये ज़रूरी था

❋ ❋ ❋

8.

कुर्बत में उसकी कभी
बेसबब मुस्करा लेता था
एक अरसे से खुदको
मैंने मुस्कराते नहीं देखा

❋ ❋ ❋

9.

घड़ियाँ जुदाई की आईं हैं तो
जी भर के बेशक रुलाऐंगी वो
मुकम्म्ल कहाँ ईश्क भी है मगर
भीगे ना आँसू की बारिश में जो

✵ ✵ ✵

10.

दी थी कभी पनाह इन आँखों ने
होकर बेघर अब कैसे रह पाएँगे
ज़रूरी नहीं मुकम्म्ल हर ख़्वाब हो
कुछ ख़्वाब बस यूँही रहने भी दो

✵ ✵ ✵

You've Just Finished your Free Sample

Enjoyed the preview?

Buy: https://store.prowesspub.com